

पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

खण्ड- XXXI अंक–18 30 सितंबर 2026

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
हिंदी कक्ष
https://hindi.iitd.ac.in/

"हमारी नागरी दुनिया की सबसे अधिक वैज्ञानिक लिपि है।"

— राहुल सांकृत्यायन

मुख्य बिंदु

- हिंदी माह 2026 | भाषा, ज्ञान, सृजन और सहभागिता का उत्सव
- संस्थान अस्पताल में अस्थि रोग संबंधी सेवाओं व परामर्श समय में संशोधन
- नियुक्तियाँ
- स्वागत
- त्यागपत्र स्वीकृत
- सेवानिवृत्ति
- पुनर्नियुक्ति

हिंदी माह 2026 | भाषा, ज्ञान, सृजन और सहभागिता का उत्सव

संस्थान के हिंदी कक्ष द्वारा इस वर्ष शिक्षा मंत्रालय से प्राप्त अनुदेशों के अनुपालन में 01 से 30 सितंबर 2026 तक हिंदी माह 2026 का आयोजन विविध रचनात्मक, ज्ञानवर्धक एवं सहभागितापूर्ण कार्यक्रमों के साथ किया गया।

निदेशक महोदय, प्रो. रंगन बनर्जी के संदेश के साथ हिंदी माह 2026 का औपचारिक शुभारंभ हुआ। हिंदी माह 2026 के प्रथम कार्यक्रम के रूप में 2 सितंबर 2026 को 'बेसिक हिंदी लर्निंग प्रोग्राम: लेट्स लर्न अ लिटिल हिंदी' का आयोजन किया गया। इस अभिनव पहल के अंतर्गत देश-विदेश की विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों से आए संस्थान के विद्यार्थियों के साथ संवादात्मक सत्र आयोजित हुआ, जिसमें अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों ने हिंदी सीखने की अपनी उत्सुकता और रुचि साझा की। इस कार्यक्रम में प्रो. अनिल वर्मा, संकायाध्यक्ष, अंतरराष्ट्रीय संबंध की भी विशेष उपस्थिति रही।

दिनांक 07 सितंबर 2026 को संस्थान के संवर्ग 'ए' अधिकारियों, संवर्ग 'बी' एवं 'सी' के नियमित स्टाफ सदस्यों तथा विद्यार्थियों के लिए हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रत्येक संवर्ग के लिए दो विषय निर्धारित किए गए, जिनमें से प्रतिभागियों को एक विषय पर निबंध लिखना था। संवर्ग ए' को '2047 तक विकसित भारत के निर्माण में ए.आई. की भूमिका' और 'तेज़ विकास या समावेशी विकास: भारत की प्राथमिकता क्या हो'; संवर्ग 'बी' व 'सी' को 'सूचना के युग में सत्य की तलाश' और 'लोकतंत्र और नागरिक ज़िम्मेदारी'; तथा विद्यार्थियों को 'आभासी दुनिया और उसके खतरे' और 'हम जितने जुड़े हैं, उतने अकेले क्यों हैं' विषय दिए गए।

हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता के तहत संवर्ग 'ए' में प्रथम पुरस्कार श्री संजीव कुमार (उप कुलसचिव, भर्ती प्रकोष्ठ), द्वितीय पुरस्कार श्री अजय प्रताप सिंह (तकनीकी अधिकारी, कार्ट), तृतीय पुरस्कार श्री शिव प्रकाश यादव (जन संपर्क अधिकारी) ने प्राप्त किए। इसके अतिरिक्त श्री अमिताभ मुकर्जी (उप कुलसचिव, भंडार एवं क्रय) और श्री अमित बुंदेला (तकनीकी अधिकारी, ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरी) ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किए। 'बी एवं सी' संवर्ग में प्रथम पुरस्कार श्री दिनेश कुमार (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, भर्ती प्रकोष्ठ), द्वितीय पुरस्कार सुश्री हेमा कुमारी (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, स्थापना- 2) और तृतीय पुरस्कार श्री नरेन्द्र कुमार (उप तकनीकी अधिकारी, रासायनिक इंजीनियरी) ने प्राप्त किए। श्री भाग्यवर्धन (कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी, केंद्रीय कार्यशाला) और श्री गजराज सिंह (कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी, डी.एम.एस.ई.) ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किए। विद्यार्थी संवर्ग में सुश्री अंकिता (स्नातकोत्तर) ने प्रथम, श्री बाल्केश्वर राय (स्नातकोत्तर) ने द्वितीय और श्री रवि (स्नातक) ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किए। श्री अमर कुमार (पीएच.डी.) और श्री पवन मिश्रा (स्नातकोत्तर) ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किए।

राजभाषा के संवैधानिक प्रावधानों तथा हिंदी के सामान्य ज्ञान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से संवर्ग 'ए' अधिकारियों, संवर्ग 'बी' व 'सी' के नियमित स्टाफ सदस्यों के साथ-साथ अनुबंध व आउटसोर्स आधार पर कार्यरत स्टाफ सदस्यों के लिए 10 सितंबर 2026 को 'राजभाषा एवं सामान्य हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के तहत संवर्ग 'ए' में श्री कुमार सौरभ (सहायक कुलसचिव, शैक्षणिक) ने प्रथम पुरस्कार, श्री अमिताभ मुकर्जी (उप कुलसचिव, भण्डार एवं क्रय) ने द्वितीय पुरस्कार, श्री अजय प्रताप सिंह (तकनीकी अधिकारी, कार्ट) ने तृतीय पुरस्कार, सुश्री सुचित्रा भटनागर (सहायक कुलसचिव, योजना एकक) और अमित बुंदेला (तकनीकी अधिकारी, ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरी) ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किए। संवर्ग 'बी व सी' में सुश्री पूनम (तकनीकी सहायक, रसायन विज्ञान) को प्रथम, श्री राणा किंकर सिंह (तकनीकी सहायक, विद्युत इंजीनियरी) को द्वितीय, श्री प्रवीण दशरथ पौनिकर (लेखा और लेखापरीक्षा अधिकारी, लेखापरीक्षा) को तृतीय और श्री हरिओम कुमार (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, सिविल एवं पर्यावरणीय इंजीनियरी) तथा सुश्री आयुषी गुप्ता (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, समन्वय) को प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त हुआ। अनुबंध एवं आउटसोर्स आधार पर कार्यरत स्टाफ-सदस्यों में श्री वीरेश (वरिष्ठ सहायक, एल.एच.सी.) ने प्रथम, श्री अंकित वर्मा (परामर्शदाता, भौतिकी) ने द्वितीय, श्री सोनू पँवार (एम. टी.एस., भण्डार एवं क्रय) ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किए। पहला प्रोत्साहन

पुरस्कार श्री मंजीत कुमार यादव (कनिष्ठ सहायक, भण्डार एवं क्रय) ने तथा दूसरा प्रोत्साहन पुरस्कार श्री अतुल (एम.टी.एस., स्थापना-2) व श्री धर्मेन्द्र (कनिष्ठ सहायक, भण्डार एवं क्रय) ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया।

प्रशासनिक कार्यों में हिंदी टंकण का अपना महत्त्व है। इसीलिए संवर्ग 'बी' व 'सी' के नियमित स्टाफ सदस्यों के लिए 14 सितंबर 2026 को हिंदी टंकण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में श्री हरिओम कुमार (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, सिविल एवं पर्यावरणीय इंजीनियरी) को प्रथम, श्री साईम खान (तकनीकी सहायक, सिविल एवं पर्यावरणीय इंजीनियरी) को द्वितीय, श्री अमन तलुजा (लेखा एवं लेखापरीक्षा सहायक, योजना एकक) को तृतीय पुरस्कार और श्री ललित कपूर (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, मानविकी एवं समाज विज्ञान) व श्री अनीश राजू (तकनीकी सहायक, जैवरासायनिक इंजीनियरी एवं जैव प्रौद्योगिकी) को प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त हुए।

एक नवोन्मेषी कार्यक्रम के रूप में 15 सितंबर 2026 को 'नारी स्वास्थ्य - हर उम्र में स्वस्थ और सशक्त' विषय पर एक सार्थक स्वास्थ्य चर्चा का आयोजन किया गया। इस संवाद कार्यक्रम में मुख्य वक्ता वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सीमा मेहरोत्रा थीं। साथ ही, कार्यक्रम में संस्थान के वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ. महेश कुमार सागर और डॉ. सैयद यास्मीन रौनक की उपस्थिति भी रही। संस्थान के उप निदेशक (प्रचालन) प्रो. अरविन्द कुमार नेमा, कुलसचिव श्री अतुल व्यास और अध्यक्ष-हिंदी कक्ष डॉ. नीरज चौरसिया भी इस चर्चा के दौरान उपस्थित रहे।

17 सितंबर 2026 को संवर्ग 'बी' एवं 'सी' के नियमित स्टाफ सदस्यों के लिए हिंदी टिप्पण एवं प्रारूपण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में श्री भाग्यवर्धन (कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी, केंद्रीय कार्यशाला) ने प्रथम, सुश्री आयुषी गुप्ता (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, समन्वय) ने द्वितीय और श्री अरविंद कुमार चौहान (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरी) ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। प्रोत्साहन पुरस्कार श्री मनीष जैन (तकनीकी सहायक, एन.आर.एफ.) और श्री प्रवीण दशरथ पौनिकर (लेखा और लेखापरीक्षा अधिकारी, लेखापरीक्षा) ने प्राप्त किया।

18 सितंबर 2026 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 151वीं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रो. अरविन्द कुमार नेमा, उप निदेशक (प्रचालन) द्वारा की गई। बैठक के दौरान संस्थान में राजभाषा हिंदी के प्रयोग की समीक्षा तथा हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए चर्चा की गई।

संस्थान के 'बी एवं सी' नियमित स्टाफ़ सदस्यों तथा विद्यार्थियों के लिए 21 सितंबर 2026 को हर चित्र कुछ कहता है... प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों के समक्ष दो चित्र प्रदर्शित किए गए, जिन पर उन्हें विधा और शब्द की किसी सीमा से परे रचनात्मक लेखन करना था। इस प्रतियोगिता के तहत संवर्ग 'बी' एवं 'सी' में प्रथम पुरस्कार सुश्री पूनम (तकनीकी सहायक, रसायन विज्ञान), द्वितीय पुरस्कार श्री आलोक प्रताप यादव (उप तकनीकी अधिकारी, रसायन विज्ञान) और तृतीय पुरस्कार श्री राणा किंकर सिंह (तकनीकी सहायक, विद्युत इंजीनियरी) ने प्राप्त किए। साथ ही, श्री संदीप राठौर (तकनीकी सहायक, सेन्स) और सुश्री हेमा कुमारी (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, स्थापना-2) ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किए। विद्यार्थियों में श्री अमर कुमार (पीएच.डी.) ने प्रथम, सुश्री आशिमा मित्तल (पीएच.डी.) ने द्वितीय, श्री सार्थक पटेल (पीएच.डी.) ने तृतीय पुरस्कार और सुश्री दिव्या भारद्वाज (स्नातक) तथा सुश्री दीक्षा (पीएच.डी.) ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किए।

इस क्रम में एक नए प्रयास के रूप में संस्थान के विद्यार्थियों की हिंदी समिति के साथ मिलकर 24 सितंबर 2026 को विद्यार्थियों के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों को 'अंग्रेज़ी माध्यम की शिक्षा अवसरों का विस्तार करती है या सामाजिक असमानता को बढ़ाती है' विषय पर पक्ष एवं विपक्ष में अपने विचार रखने का अवसर दिया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थी प्रतिभागी और निर्णायक दोनों भूमिकाओं में रहे। निर्णायक की भूमिका श्री सौरव मीना और सुश्री कीर्ति कौशल ने निभाई। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार श्री यशवंत कुमार (पीएच.डी.), द्वितीय पुरस्कार श्री स्वप्निल घोषाल (स्नातकोत्तर), तृतीय पुरस्कार मो. फतीन रज़ा (स्नातकोत्तर) ने प्राप्त किया तथा श्री सूरज सिंह (स्नातक) व श्री हर्ष सिंह (स्नातक) ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किए।

हिंदी माह के समापन समारोह के अवसर पर 30 सितंबर 2026 को संवर्ग 'ए' अधिकारियों, 'बी' एवं 'सी' नियमित स्टाफ सदस्यों, अनुबंध व आउटसोर्स आधार पर कार्यरत स्टाफ सदस्यों तथा विद्यार्थियों के लिए स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रो. कमलेश सिंह (मानविकी व समाज विज्ञान), प्रो. अणिमा नागर (गणित), प्रो. अंकेश जैन (विद्युत इंजीनियरी) और श्री गोपाल कृष्ण (कंप्यूटर सेवा केंद्र) शामिल थे। इस प्रतियोगिता में संवर्ग 'ए' के तहत श्री अमिताभ सिंह (उप कुलसचिव, छात्रावास लेखा एवं निर्माण)) ने प्रथम, श्री शिव प्रकाश यादव (जनसंपर्क अधिकारी) ने द्वितीय, श्रीमती नलिनी मेशराम (उप कुलसचिव, औ.अनु.एवं वि.) ने तृतीय और श्री कुमार सौरभ (सहायक कुलसचिव, शैक्षणिक) व श्री दीपक राजा (सहायक कुलसचिव, स्थापना-2) ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किए। संवर्ग 'बी एवं सी' के तहत प्रथम पुरस्कार सुश्री मेघा लखमेरा (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, शैक्षणिक), द्वितीय पुरस्कार श्री संजीव (कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी, रासायनिक इंजीनियरी), तृतीय पुरस्कार सुश्री अनु सोनी (प्रशासनिक सहायक, शैक्षणिक) ने और प्रोत्साहन पुरस्कार श्री रविन्द्र पाल (प्रशासनिक सहायक, शैक्षणिक) तथा श्री कपिल कुमार (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, ए.टी.आर.सी.) ने प्राप्त किए। आउटसोर्स एवं अनुबंध आधार पर कार्यरत स्टाफ़ सदस्यों की श्रेणी में श्री गौरव सचदेवा (परामर्शदाता, शैक्षणिक) ने प्रथम, सुश्री पूनम वर्मा (कनिष्ठ कार्यालय सहायक, भंडार एवं क्रय) ने द्वितीय, श्री विजय कुमार गुप्ता (परामर्शदाता, लेखा) ने तृतीय और श्री सोनू पँवार (एम.टी.एस., भण्डार एवं क्रय) एवं श्री विकास पॉल (एम.टी.एस., भण्डार एवं क्रय) ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किए। विद्यार्थियों की श्रेणी में सुश्री मीनाक्षी (पीएच.डी.) ने प्रथम, श्री अशोक जांगिड़ (स्नातकोत्तर) ने द्वितीय, सुश्री अस्मिता डे (पीएच.डी.) ने तृतीय पुरस्कार और श्री शुभम प्रकाश (स्नातकोत्तर) व सुश्री मुस्कान कचोरिया (पीएच.डी.) ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किए।

हिंदी माह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं/कार्यक्रमों और गतिविधियों में लगभग 500 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं, जो संस्थान के सदस्यों की हिंदी के प्रति उत्साहपूर्ण सहभागिता और रचनात्मक अभिरुचि को दर्शाती हैं।

30 सितंबर 2026 को आयोजित हिंदी माह के समापन समारोह की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक, प्रो. रंगन बनर्जी ने की तथा इस कार्यक्रम में उप निदेशक (प्रचालन) प्रो. अरविन्द कुमार नेमा एवं कुलसचिव श्री अतुल व्यास सहित संस्थान के अन्य गणमान्य संकाय-सदस्यों, अधिकारियों एवं सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह की शुरुआत में हिंदी दिवस के अवसर पर प्राप्त माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और माननीय शिक्षा मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी के संदेशों का पाठ किया गया और सभी उपस्थित जनों द्वारा राजभाषा की प्रतिज्ञा भी ली गई। इस मौके पर अध्यक्ष, हिंदी कक्ष डॉ. नीरज चौरसिया ने हिंदी कक्ष की गतिविधियों पर एक रिपोर्ट भी प्रस्तुत की। तदुपरांत, निदेशक महोदय, उप निदेशक (प्रचालन) महोदय, कुलसचिव महोदय और अध्यक्ष, हिंदी कक्ष द्वारा माह के दौरान आयोजित उक्त सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत कर उनके उत्साह और प्रतिभा का सम्मान किया गया। इसके अलावा, राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शीर्ष 5 विभागों/ अनुभागों को (सुरक्षा एकक, स्थापना-2, योजना एकक, आर.टी.आई. प्रकोष्ठ एवं औद्योगिक अनुसंधान व विकास एकक) सम्मानित किया गया। इन सबके अतिरिक्त भारत सरकार की 'नकद प्रोत्साहन योजना' के कार्यान्वयन की दिशा में श्री रविन्द्र सिंह (उप सुरक्षा अधिकारी, सुरक्षा) और श्री रजनीश अग्रवाल (लेखा एवं लेखापरीक्षा अधिकारी, लेखापरीक्षा) को प्रथम, श्री विशाल (लेखा एवं लेखापरीक्षा सहायक, लेखापरीक्षा) और श्री अमन तलुजा (लेखा एवं लेखापरीक्षा सहायक, योजना) को द्वितीय तथा श्री आशीष कुमार (प्रशासनिक सहायक, स्थापना-2) को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

समापन समारोह के इस विशेष अवसर पर हिंदी कक्ष द्वारा प्रकाशित किए जाने वाले हिंदी विज्ञान जर्नल-जिज्ञासा के नवीनतम 40वें अंक का विमोचन किया गया और साथ ही संस्थान के एक महत्त्वपूर्ण अंग्रेज़ी दस्तावेज़ "IIT Delhi transformed THEM They transformed THE WORLD-AN IIT DELHI ALUMNI IMPACT REPORT" के हिंदी संस्करण "आई.आई.टी. दिल्ली: उत्कृष्टता का सृजन-पूर्व विद्यार्थियों के वैश्विक प्रभाव का आख्यान" का भी विमोचन किया गया।

इस प्रकार, हिंदी माह 2026 भाषा के माध्यम से सीखने, सृजन करने, संवाद करने और एक-दूसरे से जुड़ने का उत्सव रहा।













संस्थान अस्पताल में अस्थि रोग संबंधी सेवाओं व परामर्श समय में संशोधन

स्वास्थ्य एकक से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD-27/28/2026-HELTI/5723/2026 दिनांक 18 सितंबर 2026 के अनुसार, संस्थान अस्पताल में अंशकालिक **विजिटिंग अस्थि रोग विशेषज्ञों** की उपलब्धता एवं कार्य दिवसों में दिनांक 21 सितंबर 2026 से निम्नानुसार संशोधन प्रभावी होंगे:

विशेषज्ञ चिकित्सक	विजिटिंग दिवस एवं समय
डॉ. विजय कुमार (प्रोफ़ेसर)	सोमवार एवं बुधवार सायं 05:30 से 07:30 तक
डॉ. साहिल बत्रा (सह प्रोफ़ेसर)	मंगलवार एवं बृहस्पतिवार सायं 05:00 से 07:00 तक

नियुक्तियाँ

- कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/68/2025-REGIOFFI/5686/2026 दिनांक 17 सितंबर 2026 के अनुसार निदेशक महोदय ने **प्रो. प्रशांत वांगला (सिविल एवं पर्यावरणीय इंजीनियरी विभाग)** को 18 सितंबर 2026 से दो वर्ष की अवधि के लिए **सह संकायाध्यक्ष (अवसंरचना) सोनीपत परिसर** के रूप में नियुक्त किया है।
- कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/68/2025-REGIOFFI/5924/2026 दिनांक 28 सितंबर 2026 के अनुसार निदेशक महोदय ने **प्रो. प्रियंका कौशल (ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी केंद्र)** को 28 सितंबर 2026 से दो वर्ष की अवधि के लिए **प्रोफ़ेसर प्रभारी, सस्टेनेबिलिटी** के रूप में नियुक्त किया है।

स्वागत

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD-115/1/2026-ESTT-II/5495/2026 दिनांक 09.09.2026 के अनुसार **डॉ. बंटी चौहान (17670)** ने संस्थान के पदार्थ विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग में पोस्ट डॉक्टरल फेलो के रूप में दिनांक 01.09.2026 को (एक वर्ष के लिए) कार्यभार ग्रहण किया है।
- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD-I15/3/2026-ESTT-II/5779/2026 दिनांक 21.09.2026 के अनुसार **डॉ. देय्यला कोमल वी. दुर्गा प्रसाद (17676)** ने संस्थान के पदार्थ विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग में पोस्ट डॉक्टरल फेलो के रूप में दिनांक 15.09.2026 को (एक वर्ष के लिए) कार्यभार ग्रहण किया है।
- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD-115/2/2026-ESTT-II/5778/2026 दिनांक 21.09.2026 के अनुसार **डॉ. निखिल राम पात्रा (17673)** ने संस्थान के पदार्थ विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग में पोस्ट डॉक्टरल फेलो के रूप में दिनांक 07.09.2026 को (एक वर्ष के लिए) कार्यभार ग्रहण किया है।
- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD-108/10/2026-ESTT-II/5492/2026 दिनांक 09.09.2026 के अनुसार **प्रो. राशि जैन (17668)** ने संस्थान के विद्युत इंजीनियरी विभाग में पोस्ट डॉक्टरल फेलो के रूप में दिनांक 01.09.2026 को (एक वर्ष के लिए) कार्यभार ग्रहण किया है।
- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD-108/13/2026-ESTT-II/5618/2026 दिनांक 16.09.2026 के अनुसार **सुश्री शेफ़ाली पाइनुलि (17674)** ने संस्थान के विद्युत इंजीनियरी विभाग में पोस्ट डॉक्टरल फेलो के रूप में दिनांक 10.09.2026 को (एक वर्ष के लिए) कार्यभार ग्रहण किया है।
- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD-111/6/2026-ESTT-II/5785/2026 दिनांक 21.09.2026 के अनुसार **डॉ. पारस विनुभाई मनिया (17663)** ने संस्थान के गणित विभाग में पोस्ट डॉक्टरल फेलो के रूप में दिनांक 24.08.2026 को (एक वर्ष के लिए) कार्यभार ग्रहण किया है।
- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD-107/3/2026-ESTT-II/5872/2026 दिनांक 24.09.2026 के अनुसार **डॉ. आसिफ़ खान (17677)** ने संस्थान के कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग में पोस्ट डॉक्टरल फेलो के रूप में दिनांक 21.09.2026 को (एक वर्ष के लिए) कार्यभार ग्रहण किया है।
- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD-107/4/2026-ESTT-II/5897/2026 दिनांक 25.09.2026 के अनुसार **डॉ. सुभाजित प्रमाणिक (17678)** ने संस्थान के कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग में पोस्ट डॉक्टरल फेलो के रूप में दिनांक 21.09.2026 को (एक वर्ष के लिए) कार्यभार ग्रहण किया है।
- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD-102/4/2026-ESTT-II/5539/2026 दिनांक 10.09.2026 के अनुसार **प्रो. राहुल कुमार सिंह** ने संस्थान के अनुप्रयुक्त यांत्रिकी विभाग में सहायक प्रोफ़ेसर ग्रेड-I के रूप में दिनांक 01.09.2026 को कार्यभार ग्रहण किया है। प्रो. राहुल कुमार सिंह को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 (जो भी पहले हो) प्राप्त करने तक संस्थान द्वारा प्रायोजित "युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप" भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD-108/12/2026-ESTT-1I/5620/2026 दिनांक 16.09.2026 के अनुसार **प्रो. मयंक सेवलिया** ने संस्थान के विद्युत इंजीनियरी विभाग में सहायक प्रोफ़ेसर ग्रेड-II के रूप में दिनांक 01.09.2026 को कार्यभार ग्रहण किया है। प्रो. मयंक सेवलिया को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 (जो भी पहले हो) प्राप्त करने तक संस्थान द्वारा प्रायोजित "युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप" भी प्रदान की गई है।
- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त संदर्भ सं. IITD/IES1/2026/538223 दिनांक 10.08.2026 के अनुसार **प्रो. मोहम्मद नवाजिश (17672)** ने संस्थान के प्रबंध अध्ययन विभाग में सहायक प्रोफ़ेसर ग्रेड-II के रूप में दिनांक 10.09.2026 को कार्यभार ग्रहण किया है। प्रो. मोहम्मद नवाजिश को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 (जो भी पहले हो) प्राप्त करने तक संस्थान द्वारा प्रायोजित "युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप" भी प्रदान की गई है।
- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD-108/14/2026-ESTT-1I/5927/2026 दिनांक 28.09.2026 के अनुसार **प्रो. प्रणव शर्मा** ने संस्थान के विद्युत इंजीनियरी विभाग में सहायक प्रोफ़ेसर ग्रेड-I के रूप में दिनांक 15.09.2026 को कार्यभार ग्रहण किया है। प्रो. प्रणव शर्मा को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 (जो भी पहले हो) प्राप्त करने तक संस्थान द्वारा प्रायोजित "युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप" भी प्रदान की गई है।

त्यागपत्र स्वीकृत

स्थापना अनुभाग-II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD-45/104/2026-ESTT-2I/5504/2026 दिनांक 09.09.2026 के अनुसार **श्री नवीन कुमार**, कनिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन विज्ञान विभाग) ने अपने पद से त्यागपत्र दिया था। उन्हें दिनांक 09.09.2026 से संस्थान की सेवाओं से कार्यमुक्त कर दिया गया है।

सेवानिवृत्ति

संस्थान के निम्नलिखित संकाय सदस्य अधिवर्षिता की आयु होने पर 30 सितंबर 2026 को संस्थान से सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

प्रो. सुबीर कुमार साहा (यांत्रिक इंजीनियरी विभाग)



प्रो. सुबीर कुमार साहा ने वर्ष 1983 में आर.ई. कॉलेज दुर्गापुर (अब एन.आई.टी. दुर्गापुर) से यांत्रिक इंजीनियरी में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद आई.आई.टी. खड़गपुर से एम.टेक. और McGill University, कनाडा से पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त करने के बाद वे जापान की तोशिबा कॉरपोरेशन के अनुसंधान एवं विकास केंद्र में शामिल हुए। जापान में चार वर्षों के कार्य अनुभव के बाद, 05 जुलाई 1996 को उन्होंने संस्थान में सहायक प्रोफ़ेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था और 31 जनवरी 2000 को वे सह प्रोफ़ेसर तथा 26 अक्टूबर, 2006 को प्रोफ़ेसर के रूप में पदोन्नत हुए।

प्रो. साहा की शैक्षणिक यात्रा का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों को कक्षा की शिक्षा से आगे व्यावहारिक एवं प्रतियोगिता-आधारित सीखने के अवसर उपलब्ध कराना रहा है। इसी उद्देश्य के साथ उन्होंने वर्ष 1997 में SAE क्लब से अपनी पहल शुरू की। Robotics2Rural और RoCK-BEE व्याख्यान श्रृंखलाओं के माध्यम से भी वे अपनी इस समाजोन्मुख इंजीनियरिंग अवधारणा को बढ़ावा देते हैं। इन पहलों ने आगे चलकर BARC के सहयोग से Autonomous Robotics कार्यक्रम तथा बाद में CoE-BIRD अर्थात् Biologically Inspired Robots and Drones और रोबोटिक्स में एम.टेक. कार्यक्रम के विकास का मार्ग प्रशस्त किया।

वर्ष 2014 में उन्हें पी.एस.ए. कार्यालय द्वारा वित्तपोषित RuTAG के प्रधान अन्वेषक की ज़िम्मेदारी सौंपी गई। उन्होंने RuTAG की अवधारणा को विद्यार्थियों तक पहुँचाते हुए एक RuTAG क्लब की परिकल्पना की, ताकि विद्यार्थी-नवाचार को ग्रामीण चुनौतियों से जोड़ा जा सके और स्थानीय समस्याओं को मौलिक, नवोन्मेषी एवं भारतीय संदर्भों पर आधारित शोध में रूपांतरित किया जा सके। वर्ष 2020 में IHFC की स्थापना के साथ उन्हें इसके प्रोजेक्ट डायरेक्टर के रूप में नेतृत्व का दायित्व मिला। उनके अनुसार, इस यात्रा ने अकादमिक शोध को व्यावहारिक एवं मूल्यवान तकनीकी समाधानों में रूपांतरित करने की दिशा में एक नया आयाम जोड़ा है। इसी क्रम में उनके मार्गदर्शन में विकसित RoboMuse 5.0 जैसे रोबोटिक समाधानों का व्यावसायीकरण भी हुआ है। RuTAG के माध्यम से ग्रामीण चुनौतियों और विद्यार्थी-नवाचार को जोड़ने के बाद, वर्ष 2020 में उनकी यात्रा ने प्रौद्योगिकी-आधारित उद्यमिता की ओर कदम बढ़ाया। डी.एस.टी. के NM-ICPS के अंतर्गत स्थापित I-Hub Foundation for Cobotics (IHFC) में प्रोजेक्ट डायरेक्टर के रूप में उन्होंने मौलिक शोध को नवाचार, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और उपयोगी उत्पादों में बदलने की दिशा में कार्य किया।

प्रो. साहा के नाम लगभग 14 करोड़ रुपये की प्रायोजित परियोजनाओं एवं परामर्श कार्यों, 200 से अधिक शोध-पत्रों और 26 पीएच.डी. विद्यार्थियों के मार्गदर्शन का अनुभव है। वर्ष 2020 से वे आई.आई.टी. दिल्ली की कोबोटिक्स पहल 'I-Hub Foundation for Cobotics' (IHFC) के परियोजना निदेशक हैं। Multibody Dynamics के क्षेत्र में उनकी 'Decoupled Natural Orthogonal Complement (DeNOC)' पद्धति अपनी दक्षता और संख्यात्मक स्थिरता के लिए विशेष रूप से जानी जाती है।

अकादमिक एवं अनुसंधान में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रो. साहा को 2020 में एन.आई.टी. दुर्गापुर के "Distinguished Alumnus Award" से सम्मानित किया गया। उन्होंने 2001 में आई.आई.टी. दिल्ली में मेकाट्रॉनिक्स प्रयोगशाला की स्थापना की और Autonomous Robotics कार्यक्रम के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। वर्ष 1999 में वे AvH Foundation, जर्मनी की Humboldt Fellowship से सम्मानित हुए। आई.आई.टी. दिल्ली में वे नरेन गुप्ता चेयर प्रोफ़ेसर (2010–2020) और IHFC चेयर प्रोफ़ेसर (2022 से) रहे हैं। वे आई.आई.टी. मद्रास में विजिटिंग फैकल्टी तथा कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और इटली में अल्पकालिक शोधकर्ता के रूप में भी कार्य कर चुके हैं।

प्रो. साहा की Introduction to Robotics (2008) पाठ्यपुस्तक का McGraw-Hill द्वारा भारत और सिंगापुर में प्रकाशन तथा स्पेनिश अनुवाद हुआ। उनके मार्गदर्शन में विकसित RoboAnalyzer सॉफ्टवेयर को 2022 में वैश्विक व्यावसायिक उपयोग के लिए लाइसेंस दिया गया। वे स्प्रिंगएर की दो प्रमुख पुस्तकों—Dynamics of Tree-type Robotics Systems और Dynamics and Balancing of Multibody Systems—के सह-लेखक हैं। वे 300 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान दे चुके हैं और उनकी RoCK-BEE नामक फिक्शन पुस्तक Pothi.com द्वारा प्रकाशित है।

प्रो. साहा ने आई.आई.टी. दिल्ली में विभागाध्यक्ष, सह-संकायाध्यक्ष (विद्यार्थी), GATE/JAM/GMAT परीक्षाओं के उपाध्यक्ष तथा BRCA के अध्यक्ष सहित विभिन्न प्रशासनिक दायित्व निभाए हैं। 2014–2021 के दौरान वे भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय द्वारा प्रायोजित RuTAG, आई.आई.टी. दिल्ली के समन्वयक रहे। वे The Robotics Society के उपाध्यक्ष (शैक्षणिक) (2017–23) तथा Association of Machines and Mechanisms के उपाध्यक्ष (2008–15) और 2023 से अध्यक्ष हैं। उन्होंने अपने विद्यालय तथा एन.आई.टी. दुर्गापुर, आई.आई.टी. खड़गपुर और DD-Robocon में पुरस्कार एवं पुरस्कार राशि की शुरुआत कर युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया है। प्रो. सुबीर कुमार साहा संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों व स्टाफ सदस्यों के बीच अत्यंत लोकप्रिय रहे हैं।

संस्थान समुदाय प्रो. साहा को सम्मानपूर्वक विदाई देते हुए उनके व उनके परिवार की आगामी जीवन-यात्रा के लिए शुभेच्छाएं व्यक्त करता है ।

पुनर्नियुक्ति

प्रो. सुबीर कुमार साहा (यांत्रिक इंजीनियरी विभाग) को संस्थान संविधि के पैरा 13(2) के अनुसार वर्तमान शैक्षिक सत्र के अंत अर्थात् 30.06.2027 तक के लिए यांत्रिक इंजीनियरी विभाग में प्रोफ़ेसर के रूप में पुनर्नियुक्त किया गया है।

डिज़ाइन एवं मुद्रण: एक्सेल प्रिंटिंग यूनिवर्स, नई दिल्ली